

## वार्षिक परीक्षा—2024

## सामान्य हिन्दी

## कक्षा—11

अ-XI-सा. हिन्दी

समय : 3 : 15 मिनट ]

[पूर्णांक : 100

निर्देश— प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिये निर्धारित है।

नोट— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों (अ) और (ब) में विभाजित हैं।

(iii) खण्ड (अ) में 20 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये हैं। जिनके उत्तर O.M.R. (आन्सर) शीट पर काले पेन से • चिन्ह द्वारा अंकित कीजिये।

(iv) खण्ड (ब) में वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं, जिन्हें निर्देशानुसार हल कीजिये।

(v) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख निर्दिष्ट हैं।

खण्ड (अ) बहुविकल्पीय प्रश्न

1. गद्य विधा की संख्या है— 1  
(A) तीन ✓ (B) सात (C) ग्यारह (D) पन्द्रह।
2. भारतेन्दु युग के लेखक हैं— 1  
(A) बाल कृष्ण भट्ट (B) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ✓  
(C) अध्यापक पूर्ण सिंह (D) डॉ० सम्पूर्णानन्द।
3. 'ध्रुवस्वामिनी' की रचना विधा है— 1  
(A) एकांकी (B) ध्रुवदेवी (C) नाटक ✓ (D) उपन्यास।
4. 'आवारा मसीहा' की रचना विधा है— 1  
(A) उपन्यास (B) जीवनी ✓ (C) नाटक (D) निबन्ध।
5. हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास कौन-सा माना जाता है? 1  
(A) चन्द्रकान्ता (B) गोदान (C) परीक्षा गुरू ✓ (D) चरित्रहीन।
6. आदिकाल का एक अन्य नाम है— 1  
(A) स्वर्णयुग (B) सिद्ध सामन्तवाद ✓ (C) श्रृंगार काल (D) भक्तिकाल।
7. ज्ञानाश्रयी भक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि हैं— 1  
(A) तुलसीदास (B) बिहारी लाल (C) कबीरदास ✓ (D) सूरदास।
8. रामधारी सिंह दिनकर किस काव्यधारा के कवि हैं? 1  
(A) छायावाद (B) प्रगतिवाद (C) नई कविता (D) राष्ट्रीय काव्य धारा। ✓
9. जयशंकर प्रसाद की रचना है— 1  
(A) आवारा मसीहा (B) नासिकेतो पाख्यान  
(C) कामायनी ✓ (D) पल्लव।
10. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' किस युग के कवि हैं? 1  
(A) भारतेन्दु युग (B) प्रगतिवादी युग (C) द्विवेदी युग ✓ (D) छायावादी युग।
11. 'परमार्थः' का सन्धि-विच्छेद है— 1  
(A) परम + अर्थः (B) पर + मर्थः (C) पर + मार्थः (D) परमा + अर्थः।
12. 'कमलोदय' का सन्धि-विच्छेद है— 1

- (A) कमलो + दय (B) कमल + औदय (C) कमल + उदय (D) कम + लोदय।
13. 'हस्तेन' में विभक्ति, वचन का सही विकल्प हैं—  
 (A) प्रथम, बहुवचन (B) पञ्चमी एकवचन  
 (C) तृतीया एकवचन (D) चतुर्थी द्विवचन।
14. 'राजनि' की विभक्ति तथा वचन का सही विकल्प चुनिये—  
 (A) पञ्चमी, एकवचन (B) षष्ठी, एकवचन  
 (C) सप्तमी, एकवचन (D) उपयुक्त में कोई नहीं।
15. अविराम अभिराम शब्द का सही विकल्प होगा—  
 (A) लगातार और रूचिकर (B) अनवरत और आकर्षक  
 (C) बिना रोक के और सुन्दर (D) सुन्दर और आकर्षक।
16. 'अर्थ' का सही विकल्प चुनकर लिखिये—  
 (A) कारण (B) प्रयोजन (C) धन (D) अज्ञ।
17. जो पहले कभी नहीं हुआ हो, का सही विकल्प होगा—  
 (A) अद्भूत (B) अप्रत्याशित (C) अनुपम (D) अभूतपूर्व।
18. 'भावुकः' का सन्धि-विच्छेद है—  
 (A) भौ + उकः (B) भाऊ + अकः (C) भो + उकः (D) भाव + उकः।
19. 'उपकार-अपकार का सही अर्थ है—  
 (A) दूसरों का कार्य और बुरा (B) उपकार और न बोलना  
 (C) भलाई और बुराई (D) अच्छा और बुरा।
20. 'जो कम बोलता है' शब्द का सही विकल्प होगा—  
 (A) अल्पभाषी (B) मितव्ययी (C) प्रत्युपनमति (D) वाचाल।

खण्ड (घ) वर्णनात्मक प्रश्न

21. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिये— 5×2=10

पुरूषार्थ दार्शनिक विचार है पर दर्शन का जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। वह थोड़े-से विद्यार्थियों का पाठ्य विषय मात्र नहीं है। प्रत्येक समाज को एक दार्शनिक मत स्वीकार करना होगा। उसी के आधार पर उसकी राजनैतिक, सामाजिक और कौटुम्बिक व्यवस्था का व्यूह खड़ा होगा। जो समाज अपने वैयक्तिक और सामूहिक जीवन को केवल प्रतीयमान उपयोगिता के आधार पर चलाना चाहेगा। उसको बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा। एक विभाग के आदर्श दूसरे विभाग के आदर्श से टकराएँगे। जो बात एक क्षेत्र में ठीक जैचेगी, वही दूसरे क्षेत्र में अनुचित कहलाएगी और मनुष्य के लिए अपना कर्तव्य स्थिर करना कठिन हो जाएगा। इसका तमाशा आज दिखाई दे रहा है।

- प्रश्न- (क) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।  
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।  
 (ग) किसके आधार पर राजनैतिक, सामाजिक और कौटुम्बिक व्यवस्था का व्यूह खड़ा होगा ?  
 (घ) किस समाज को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा ?  
 (ङ) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने क्या प्रेरणा दी है ?

अथवा

मेहँ की आवश्यकता उसे है, किन्तु उसकी चेष्टा रही है मेहँ पर विजय प्राप्त करने की प्राचीन काल के उपवास, व्रत, तपस्या, आदि उसी चेष्टा के भिन्न-भिन्न रूप रहे हैं। जब

तक मानव के जीवन में गेहूँ और गुलाब का सन्तुलन रहा, वही सुखी रहा, आनन्द रहा ! वह कमाता हुआ गाता था और गाता हुआ कमाता था। उसके श्रम के साथ संगीत बँधे हुए हुआ था, और संगीत के साथ श्रम।

- प्रश्न- (क) उपयुक्त पद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये।  
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।  
 (ग) प्राचीन काल में मनुष्य का लक्ष्य क्या था ?  
 (घ) मनुष्य के जीवन में गेहूँ की महत्ता क्यों है ? स्पष्ट कीजिये।  
 (ङ) 'चेष्टा' और 'श्रम' शब्दों के अर्थ लिखिये।

22. दिये गये पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये—

5×2=10

हमारें हरि हरिल की लकरी।  
 मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, दृढ़ करि पकरी।।  
 जागत-सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।  
 सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करूई ककरी।।  
 सु तौ व्याधि हमको लै आए, देखी सुनी न करी।  
 यह तौ पूर तिन्हि लै सौंपी, जिनके मन चकरी।।

- प्रश्न- (क) उपयुक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिये।  
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।  
 (ग) गोपियों ने श्रीकृष्ण को किसके समान प्रिय बताया है ?  
 (घ) गोपियाँ दिन-रात जागते-सोते किसकी तरह अरुचिकर लगती हैं।  
 (ङ) उद्धव की योग चर्चा गोपिकाओं को किसकी तरह अरुचिकर लगती है।

अथवा

ललन सलोने अरू रहे, अति समेह सौं पागि।  
 तनक कचाई देत दृढ़, मरन सौं मुँह लागि।।  
 क्यों बसियै क्यों निरहियै, नीति नेहप्रर नाँहि।  
 लगालगी लोहन करै, नाहक मन बाँध जाँहि।।

- प्रश्न- (क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिये।  
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।  
 (ग) नायिका किसे उलाहना दे रही है, और कैसे ?  
 (घ) नायक के व्यवहार को किसके समान बताया गया है, तथा क्यों ?  
 (ङ) "लगालगी लोहन करै, नाहक मन बाँध जाँहि" में कौन-सा अलंकार है ?

23. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुये उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिये— (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3+2=5

- (i) राहुल सांकृत्यायन (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र  
 (iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुये उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिये—

3+2=5

- (i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) तुलसीदास।

24. 'बलिदान' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

5

अथवा

'आकाशदीप' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

25. अपने पठित नाटक की कथा संक्षेप में लिखिये। अथवा अपने पठित नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। 5

26. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये—

2+5=7

भारतवर्षस्य उत्तरप्रदेशराज्ये प्रयागस्य विशिष्टं स्थानमस्ति। अत्र ब्रह्मणः प्रकृष्टयागकरणात् अस्य नाम प्रयागः अभवत्। गङ्गा-यमुनयोः सङ्गमं सितासितजले स्नात्वा जनाः विगतकल्मषा भवन्ति इति जनानां विश्वासः। अमायां पौर्णमास्यां सङ्क्रान्तौ च स्नानार्थिनामत्र महान् सम्मर्दः भवति। प्रतिवर्षं मकरं गते सूर्ये माघमासे तु अनेकलक्षाः जनाः अत्र आयान्ति मासमेकमुपित्वा च सङ्गमस्य पवित्रेण जलेन, विदुषां महात्मनामुपदेशामृतेन च आत्मानं पावयन्ति। श्रीमन्नेव पर्वणि महाराजः श्रीहर्षः प्रतिपञ्चवर्षम् अत्रागत्य सर्वस्वमेव याचकेभ्यो दत्त्वा मेघ इव पुनः सञ्चयार्थं स्वराजधानीं प्रत्यगच्छत्। अथवा

अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीमनि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेव समुद्गम्य गङ्गा सिन्धु ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्य शतद्वयं विपशा-यमुना-सरयू गण्डकी-नारायणी-कौशिकीप्रभृतयः नद्यश्च समस्तापि उत्तरभारतभूमे स्वकीयैः तीर्थोदकेः न केवलं पुनन्ति अपितु इमां शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये। 2+5=7

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयत्यापो न शोषयति मारुतः। अथवा

अकीर्तिं विनयो हन्ति हन्यनर्थं चकार मम।

हन्ति नित्यं क्षमा क्रोधमाचारो हन्यलक्षणम् ॥

27. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तिओं में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिये—

(i) अधजल गगरी छलकत जाये (ii) घर का भेदी लंका ढाये

(iii) अंगद का पैर होना (iv) आसमान पर थूकना। 2

28. (क) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिये—

(i) कनक (ii) अभियोग (iii) चपला। 2

(ख) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिये—

(i) ईश्वर के अनेकों रूप है। (ii) डाल में चिड़ियाँ बैठी है।

(iii) प्रज्ञा गुणवान स्त्री है। (iv) वृक्षों पर कोयल बैठी है।

29. (क) 'करुण रस' अथवा 'वीर रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये। 2

(ख) 'यमक' अथवा 'श्लेष' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिये। 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिये। 2

30. छात्रवृत्ति प्राप्ति हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य जी को एक आवेदन पत्र लिखिये। 5

अथवा

अपने क्षेत्र में बढ़ती हुयी अराजकता को दूर करने के लिये पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र लिखिये।

31. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिये—9

(i) भारतीय किसान की समस्याएँ और समाधान (ii) आरक्षण: वरदान या अभिशाप

(iii) प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रबन्धन (iv) विज्ञान: वरदान या अभिशाप।